Daily Gospel Reflections in Hindi

20 September 2019

लूकस 4 : 31 - 37
Jesus Expels demon

हम यह सुसमाचार येसू पर विश्वास बढ़ाने के लिए एवं हमारे विश्वासी जीवन में आगे बढ़ने के लिए पढ़ते हैं। येसू के जीवन में जो आधिकारिकता दिखता है उस बात को आज इस सुमाचार के ज़रिये हम देखते हैं।

येसू के जीवन की हर बात, कार्यशैली या पढ़ाने का तरीका कहीं न कहीं किसी न किसी प्रकार से लोगों के मन को छू लिया करता था।

नाज़रेत के सिनगोग में जो भविष्यवाणी के रूप में अपने अधिकार को प्रकट किया था। आज के सुसमाचार में येसू पूरा करता है। येसू निःसंदेह अपने अधिकार के बारे में कहता भी है और उसे प्रकट भी करता है। येसू अपने जीवन के ज़रिये लोगों के मन में उन बातों को, या भावों को लाते हैं कि वे पिता ईश्वर पर भरोसा रखें।

क्या मेरा ख्रिस्तिय जीवन किसी लोग में कोई भी आश्चर्य या येसू प्रेम लाते हैं, ये एक सोच विचार करने का सवाल है। अपने स्वार्थ सोच विचारों से मुक्ति पाकर, स्वतंत्रता पाकर हम उन लोगों को ईश्वरीय प्रेम पहुँचाए। आज के सुसमाचार के उन फरीसी के जैसे अधिकार का प्रेम नहीं बल्कि प्रेम का अधिकार प्रस्तुत करें, यही है हमारा जीवन।

Rev. Fr. Santo Pullan

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019